हरियाणा के कई राजनेता देश भर में मशहूर हुए

आज देश में भ्रष्ट नेताओं और सिद्धांतहीन राजनीति का बोलबाला है। हरियाणा में ऐसे नेता भी हुए हैं, जिन्होंने अपनी कारगुजारी से अपने ज़िला ही नहीं, पूरे प्रदेश में ख्याति प्राप्त की है।

हरियाणा बनने से पूर्व भी इस हिंदी भाषी क्षेत्र में रोहतक जिला राजनीतिक केंद्र रहा है। इस जिले में सर छोटूराम का जन्म हुआ, जिन्होंने मंत्री रहते हुए किसानों की भलाई और उनकी आर्थिक अवस्था में सुधार के लिए अनेक कानून बनवाये। ये किसान नेता के रूप में प्रदेश में लोकप्रिय हुए। चौ. लहरीसिंह, पं. श्री राम शर्मा, प्रो. शेरसिंह, चौ. चांदराम, चौ. रिजकराम, चौ. रणवीरसिंह, डा. मंगलसेन, जगदेव सिंह सिद्धांती, हरद्वारी लाल, चौ. सुलतान सिंह और चौ. टीकाराम आदि राजनेताओं ने भी प्रदेश की राजनीति को प्रभावित किया। जहां चौ. लहरीसिंह, पीराम शर्मा, रिजकराम, रणवीर सिंह, हरियाणा सरकार में मंत्री रहे, वहां प्रो. शेरसिंह, चौ. चांद राम केंद्र में मंत्री रहे। चौ. सुलतान सिंह त्रिपुरा प्रदेश के उपराज्यपाल भी रहे। चौ. टीका राम संयुक्त पंजाब में सर सिकंदर हयात खां के मंत्रिमंडल में राजस्व मंत्री रहे।

रोहतक के पश्चात हिसार जिले के राजनेता भी प्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते रहे। इस जिले के कैप्टन रणजीत सिंह, डा. गोपीचंद भार्गव के मंत्रिमंडल में सदस्य बने। वहां पं. ठाकुर दास भार्गव पहली लोकसभा के सदस्य रहे। बलवंत राय तायल, चौ. स्वरूप सिंह, चौ. हरजमल आदि विभिन्न सरकारों में मंत्री बने। ला. अचिंत राम, चौ. मनीराम बागडी लोकसभा सदस्य चुने गये। चौ. भजनलाल अनेक वर्षों तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। जिनकी राजनीति के साथ-साथ धार्मिक कार्यों में गहरी रुचि रही है।

हरियाणा की काशी के नाम से प्रसिद्ध भिवानी जिले को यह गौरव प्राप्त है कि इसने तीन मुख्यमंत्री दिये हैं। विकास पुरुष के रूप में ख्यातिप्राप्त चौ. बंसीलाल, बनारसीदास गुप्त और चौ. हुकम सिंह। बंसीलाल मुख्यमंत्री, केंद्र में मंत्री, राज्यसभा के सदस्य रहे; वहां गुप्त दो बार राज्य के मुख्यमंत्री रहे। चौ. हुकमसिंह भी अनेक मास तक मुख्यमंत्री रहे।

सिरसा जिला भी राजनीति का केंद्र अनेक वर्षों तक रहा है। इस जिले को यह गौरव प्राप्त है कि 15 अगस्त, 1947 में स्वतंत्रता-प्राप्ति के पश्चात जब पंजाब का विभाजन हुआ इस जिले के तो डा. गोपीचंद नए पंजाब के पहले मुख्यमंत्री बने। वर्ष 1950 में दूसरी बार आप मुख्यमंत्री बनाए गए। डा. भार्गव महान स्वयंत्रता सेनानी थे। साइमन कमीशन के विरुद्ध प्रदर्शन के समय जब पुलिस ने पंजाब केसरी लाला लाजपतराय पर लाठी चलायी तो लाठियों के कई प्रहार डा. भार्गव व अपने ऊपर भी सहन किये ताकि लाला लाजपतराय को घाव न लगें। डा. भार्गव गांधीवादी नेता के रूप में लोकप्रिय थे। सन् 1920 में महात्मा गांधी ने देश में जो असहयोग आंदोलन चलाया तो डा. भार्गव उसमें सक्रिय रूप से लग गये। उन्होंने महात्मा गांधी के कहने पर डाकटर की प्रैक्टिस छोड़ दी। सन् 1935 में महात्मा जी ने जब ग्रामोद्योग संघ की स्थापना की तो डा. भार्गव को उसका ट्रस्टी बनाया गया।

चौ. दलबीर सिंह एवं उनकी पुत्री कुमारी शैलजा अनेक वर्षों तक केंद्र सरकार में मंत्री रहे हैं। हरियाणा केसरी चौ. देवीलाल इस जिले के प्रमुख राजनेता हैं। आप प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और किसान नेता हैं। महात्मा गांधी के नमक सत्याग्रह में गिरफ्तार हुए। इसके पश्चात् देश को स्वतंत्र करवाने के लिए कड़ा संघर्ष किया, यातनाएं सहीं। हरियाणा के निर्माण में सहयोग दिया। राज्य के मुख्यमंत्री रहे। उनके बड़े भाई चौ. साहब राम प्रसिद्ध आर्य समाजी नेता थे। 1938 में आप पंजाब कौंसिल के सदस्य बने। चौ. देवी लाल के पुत्र ओमप्रकाश चौटाला भी प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। आजकल हरियाणा विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में राज्य की राजनीति में सक्रिय हैं।

अब तक का लेखाजोखा

महेंद्रगढ़ जिले के चौ. हीरासिंह चिनारिया प्रसिद्ध प्रजामंडल नेता थे, जिन्होंने देश को स्वतंत्र करवाने के लिए कड़ी यातनाएं सहीं। सन. 1952 में वे महेंद्रगढ़ से लोकसभा के सदस्य चुने गये। इसी जिले के अहीर नेता राव बीरेंद्र सिंह जहां मुख्यमंत्री रहे वहीं केंद्र में भी मंत्री रहे। महेंद्रगढ़ जिला के श्री रामशरण चंद मित्तल एक लोकप्रिय नेता रहे हैं, जो अनेक वर्षों तक हरियाणा के मंत्री और विधानसभा के अध्यक्ष रहे।

गुड़गांव जिले के कन्हैया लाल पोसवाल अनेक वर्षों तक मंत्री रहे तथा आजकल राज्यसभा के सदस्य हैं। वे हरियाणा में गुज्जर नेता के रूप में प्रसिद्ध हैं। इसी जिले के चौ. तैयब हुसैन और चौ. खुर्शीद अहमद भी बहुत वर्षों तक मंत्री रहे तथा मेवात नेता के रूप में लोकप्रिय हैं। इस जिले के एक गोपीलाल एम एल ए देश भर में उस समय प्रसिद्ध हुए जब उन्होंने एक दिन में कई बार दलबदल किया और तत्कालीन गृहमंत्री श्री चव्हाण ने लोकसभा में कहा कि हरियाणा में सदस्यों की बोली लगती है जहां सदस्य खरीदे और बेचे जाते हैं। देश को आया राम-गया राम की लोकोक्ति भी मिली।

अम्बाला जिले के दुनीचंद अम्बालवी प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी थे जो 1923 में अम्बाला डिवीजन के क्षेत्र से केंद्रीय असेंबली के सदस्य चुने गये। 1937 में पंजाब असेंबली के सदस्य बने। उनकी पत्नी श्रीमती पार्वती देवी और सुपुत्र श्री टेकचंद भी विधायक रहे। खान अब्दुल गफ्फार खां भी प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी थे जो 1952 में फिर 1962 और 1967 में विधानसभा सदस्य बने तथा कामरेड रामकिशन के मंत्रिमंडल में उपमंत्री और चौ. बंसीलाल के मंत्रिमंडल में मंत्री रहे। सूरज भान लोकसभा के उपसभापति रहे तथा सुषमा स्वराज अनेक वर्षों तक हरियाणा में मंत्री रहीं। राज्यसभा लोकसभा सदस्य रहीं। आजकल भारतीय जनता पार्टी प्रवक्ता हैं। देश की राजनीति में वे अब भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही हैं। देवराज आनंद भी अनेक वर्षों तक हरियाणा के मंत्री रहे।

कुरुक्षेत्र जिले में गुलजारीलाल नंदा का प्रमुख स्थान रहा है, जिन्होंने लोकसभा में जिले का प्रतिनिधित्व किया। कुरुक्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। देश की राजनीति में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने में सक्रिय रहे। स्वामी अग्निवेश भी आर्य समाजी नेता होते हुए राजनीति में सक्रिय रहे। राज्य के शिक्षामंत्री भी रहे। आज भी देश की राजनीति में सक्रिय हैं।

करनाल ज़िले की राजनीति में मूलचंद जैन प्रमुख रहे हैं। अनेक बार मंत्री बने। देश के स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रहे। रामलाल वधवा, शिवराम वर्मा भी अनेक वर्षों तक मंत्री रहे।

कैथल जिले में राज्य की वित्तमंत्री रहीं श्रीमती ओमप्रभा जैन का प्रमुख स्थान है। इन्होंने अनेक सामाजिक और शिक्षण कार्यों में रुचि ली तथा अनेक संस्थाओं की स्थापना में उनका अमूल्य योगदान है।

सोनीपत जिले के चौ. रणधीर सिंह लोकसभा के सदस्य रहे तथा हरियाणा की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते रहे हैं। पं. चिरंजीलाल शर्मा अनेक वर्षों तक राज्य मंत्रिमंडल में रहे तथा लोकसभा के सदस्य चुने गये। यहां के कपिलदेव शास्त्री लोकसभा के सदस्य रहने के साथ-साथ स्वतंत्रता सेनानी, पत्रकार, शिक्षा शास्त्री, लेखक और सामाजिक क्षेत्रों में भी सक्रिय रहे हैं।

जींद जिले की चंद्रावती हरियाणा सरकार में मंत्री रहीं तथा सन् 1989 में जनता दल सरकार ने उन्हें पांडिचेरी का उपराज्यपाल नियुक्त किया। शमशेर सिंह सुरजेवाला और चौ. बीरेंद्रसिंह, जहां प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष रहे वहां हरियाणा में मंत्री भी रहे। मांगे राम गुप्त भी यहां के सक्रिय नेता हैं जो राज्य के अनेक वर्षों तक मंत्री रहे। पंचकूला जिला में लाला किशोरीलाल अनेक वर्षों तक विधानसभा के सदस्य रहे। यहां के सरदार लछमन सिंह हरियाणा में मंत्री रहे। आजकल राज्यसभा के सदस्य हैं।

यमुनानगर जिले की शन्नोदेवी प्रसिद्ध पत्रकार और विधानसभा की पहली अध्यक्ष बनीं। यहां की कमला वर्मा लम्बे समय से राजनीति में सक्रिय हैं। हरियाणा में मंत्री के रूप में जनसेवा कर रही हैं। हरियाणा के पहले मुख्यमंत्री पंडित भगवत दयाल शर्मा के सुपुत्र श्री राजेश शर्मा भी राजनीति में सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। हरियाणा मंत्रिमंडल में मंत्री भी रहे हैं।

रिवाड़ी जिले के करनल रामसिंह प्रमुख राजनेता हैं। वे हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष और लोकसभा सदस्य रहे हैं। राज्य सरकार और केंद्र में मंत्री भी रहे।

चंडीगढ़ से सत्यपाल गुप्त

Downloaded from moldchandjain.org